



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

W 115/84

सं. 490]

मई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 12, 1988/माह 21, 1910

No. 490]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 12, 1988/BHADRA 21, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे इस यह असाधारण संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल भूतल परिवहन मंत्रालय
मई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1988

शुद्धिपत्र

(आणिक्य पोतपरिवहन)

सा.का.नि. 921(अ) :—भारत सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय (नीवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 473(ई), दिनांक 11 मई, 1987 भारत के राजपत्र के, असाधारण, भाग II खंड 3; उपखंड (1), दिनांक 11 मई, 1987 के पृष्ठ संख्या 1 से 12 पृष्ठों में प्रकाशित आणिक्य पोत परिवहन (पोत टनभार भागन) नियम, 1987 में—

1. पृष्ठ संख्या 1 :

- (क) नियम 2 में धारा (अ) की पहली पंक्ति में “इंक” के स्थान पर “डेक” पढ़ा जाए।
- (ख) धारा (ग) की पहली पंक्ति में “स्पोरा स्पार्ट” से स्पोरा के बाद “जो पोत से विमुक्त हुआ है

और” जोड़ दिया जाए तथा छठवीं पंक्ति में “100” के स्थान पर “1.00” पढ़ा जाए तथा उसी पंक्ति में “कम” के बाद “न” पढ़ा जाए।

2. पृष्ठ संख्या 2 :

- (क) धारा (छ) में “सिल्सु” के स्थान पर “सिल्सु” पढ़ा जाए। धारा (ज) की दूसरी पंक्ति में “पोतमीलों” को “पोतभीतों”, चौथी पंक्ति में “इंक” के लिए “डेक”, पांचवीं पंक्ति में “इंक” के लिए “डेक” पढ़ा जाए।
- (ख) धारा (क) (i) की पहली पंक्ति में “पार्श्व के बीमों” के स्थान पर “पार्श्व के बीमों”, दूसरी, तीसरी, चौथी और नवीं पंक्ति में “इंक” के “डेक” पढ़ा जाए।
- (ग) धारा (क) (ii) की दूसरी, चौथी पंक्ति में “इंक” के स्थान पर “डेक” पढ़ा जाए, चौथी

पंक्ति में “जहाँ पौत्र पर आर कर के स्थान” के लिए “जहा पौत्र के श्रावे स्थान” पढ़ा जाय।

- (अ) धारा (क) (iii) की पांचवीं पंक्ति में “डंक” के लिए “डेक” पढ़ा जाए।

(कु) धारा (ख) की पहली पंक्ति में “डंक” के लिए “डैक”, धारा (ग) की छठवीं पंक्ति में “डंक” के लिए “डेक”, धारा (घ) की पहली पंक्ति में “डंक” के लिए “डैक”, धारा (ङ) की नीसवीं पंक्ति में “डंक” के लिए “डेक” पढ़ा जाए।

(च) धारा (ठ) की दूसरी पंक्ति में “लुदन” के लिए “लंदन” पढ़ा जाए।

(छ) धारा (ण) (क) पांचवीं पंक्ति में “पट्टिर्या” के लिए “पट्टियां” पढ़ा जाए।

(ज) धारा (ण) (ख) की पहली पंक्ति में “मनल” के लिए “गनल” पढ़ा जाए।

३ प्रथम संख्या ३ :

- (क) धारा (ग) की पहली, दूसरी, चौथी पंक्ति में “डेक” के लाए “डेक” तथा दूसरी पंक्ति में “बिन्द” के लिए “बिन्दु” पढ़ा जाए ।

(ख) धारा “(घ)” के लिए “(प)”, पहली, तीसरी, सातवीं, आठवीं, नवीं पंक्ति में “डेक” के लिए “डेक” तथा यारहवीं पंक्ति में “अवरी” के लिए “अपरी” पढ़ा जाए ।

(ग) धारा (ब) की दूसरी पंक्ति में “अर्थ” के लिए “अर्थ” पढ़ा जाए ।

(घ) नियम 3 की तीसरी पंक्ति में “जी टी= के बी” के लिए “जी टी= के₁ बी”, पांचवीं पंक्ति में “के₁= 0.2 + 0.02 लॉग सी₁₀” के लिए “के₁= 0.2 + 0.02 लॉग₁₀ बी” पढ़ा जाए ।

(ङ) नियम 4(क) में “(4टो)²” के लिए (4टो/3टो)²” (3टो)

नियम 4(ग) तीसरी पंक्ति में “बोर्स” के लिए “बोर्सी” पढ़ा जाए, सातवीं पंक्ति में “पर्म-
श्रापित” के लिए “प्रतिश्रापित” पढ़ा जाए।

पंक्ति में “के₃ = 1 : 25 जीटी + 10,000”
—————— 10,000

के लिए “ $k_3 = 1.25 \left| \frac{\text{जीटी} + 10,000}{10,000} \right|$ पढ़ा

जाए। ग्यारहवीं पंक्ति में “8 वर्षी” के लिए “8 वर्षों” पढ़ा जाए।

- (व) नियम 4(2) (3) को दूसरी पंक्ति में नियत के वाक्य में आने वाली “की” को निकाल दिया जाए।

- (छ) नियम 5(1) की दूसरी पंक्ति में "फ्लेटिंग" के लिए "प्लेटिंग" पढ़ा जाए।

४ पृष्ठ संख्या ४ :

- (क) नियम 5 (4) की पहली पंक्ति में “मुख्य स्थग” के लिए “मध्य स्थग” पढ़ा जाए।

- (ख) नियम ७ (2) को चौथी पंक्ति में "लिस" के लिए "जिस" पढ़ा जाए।

- (ग) नियम 7 (3) (क) की पहली पंक्ति में “ध्वजाधीन” के लिए “ध्वजाधीन” पढ़ा जाए।

५. पद्ध संख्या ५ :

- (क) परिशिष्ट-1 की तीसरी पंक्ति में “स्थन” के लिए “स्थान” पढ़ा जाए।

छठवीं पंक्ति में “ड्रेक” के लिए “डैक” तथा उसी पंक्ति में “आकृति 2 में” के लिए “आकृति 2 में” पढ़ा जाए।

६ पाठ संख्या ६ :

- (क) परिशिष्ट-2 के दूसरे स्तंभ की 33वीं पंक्ति में “0. 2009” के लिए “0. 2909”, चौथे स्तंभ की दसवीं पंक्ति में “0. 2981” के लिए “0. 2991”, छठवीं स्तंभ की तीसरी पंक्ति में “0. 3100” के लिए “0. 3109”, सातवें स्तंभ की पन्द्रहवीं पंक्ति में “8888881” के लिए “810000”, उसी स्तंभ के पच्चीसवीं पंक्ति में “910. 000” के लिए “910000”, आठवें स्तंभ की तीसरी पंक्ति में “0. 3189” के लिए “0. 3168”, उसी स्तंभ की चौथी पंक्ति में “0. 3170” के लिए 0. 3169” तथा उसी स्तंभ की चौहदवीं पंक्ति में “0. 3161 के लिए “0. 3181” पड़ा जाए।

७. पृष्ठ संख्या ७ :

- (क) परिशिष्ट-3 के 1 (ग) के नीचे दी तारणी के स्तंभ एक को दूसरी पंक्ति में “1त 60” के लिए “760-120” पढ़ा जाए और उसके आगे “120” निकाल दिया जाए।

- (अ) नियम 1(क) में “विज” के लिए “व्रिज” नियम 2 की पहली पंक्ति में “नोसिंग” के लिए “बो-सिंग” पढ़ा जाए।

४. पृष्ठ संख्या ८ :

- (क) (नियम 8 देखिए) के ऊपर "परिशिष्ट 4" पढ़ा जाए। उसके नीचे "भारत सरकार" के

प्राधिकारी धीन” के लिए “भारत सरकार के प्राधिकारी धीन”, पढ़ा जाए तथा “समुद्री बाणिज्य” के बाद “विभाग” जोड़ दिया जाए।

9. पृष्ठ संख्या 10 :

(क) परिशिष्ट-5 की सारणी के प्रथम स्तंभ की दूसरी पंक्ति में “पूक” के लिए “रूप”, पांचवीं पंक्ति में “वयायकार” के लिए “बलव्याकार” तथा अन्त में “कुल मायतन आ.” के लिए “कुल आयतन आ.” पढ़ा जाए।

10. पृष्ठ संख्या 11 :

(क) परिशिष्ट के आगे “-6” पढ़ा जाए।
(ख) परिशिष्ट 7 के नियम (1) की तीसरी पंक्ति में “युवा” के लिए “गुणा” पढ़ा जाए।

11. पृष्ठ संख्या 12 :

(क) परिशिष्ट-8 के (क) (1) की पांचवीं पंक्ति में “20,009” के लिए “20,000”, सातवीं पंक्ति में “20,900” के लिए “20,000”, पढ़ा जाए। तथा उसी के आगे “20/- रु.” के लिए “25/- रु.” पढ़ा जाए।
(ख) नियम (ख) की पहली पंक्ति से “300/- रु.” निकाल दिया जाए। बंकर स्थान के आगे “5” निकाल दिया जाए।

[फाइल संख्या एम. चैल्यू/5-एम.एस.आर(ii)/82-एम.प.]

गम स्नेही, अवर मन्त्रिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

New Delhi, the 12th September, 1988

CORRIGENDA

(Merchant Shipping)

G.S.R. 921(E).—In the Merchant Shipping (Tonnage Measurement of Ships) Rules, 1987 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Shipping Wing) No. G.S.R. 473(E), dated the 11th May, 1987, at pages 13 to 28 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 11th May, 1987,—

(1) at page 13—

(1) in rule 2,—

(a) in clause (e), line 2, for “be” read “the” and line 3, omit “for”;

(b) in clause (e), line 2, after “cargo” add “which is to be discharged from the ship and” and line 7, after “not” insert “less”;
(c) in clause (i), sub-clause (a) (i), line 9, for “excluded” read “exclude” and line 11, for “aline” read “a line”;

(2) at page 14—

in rule 2, clause (p), line 1, for “not” read “net”
(3) at page 15—

(a) in rule 2, clause (u), line 12, omit “line”

(b) in rule 4, sub-rule (1)—

(i) line 3, for “(4 D /3D)²” read “(4d/3D)²”;

(ii) clause (a), line 1, for “(4D/3D)²” read “(4d/3D)²”;

(iii) clause (b), line 1, for “(4D /3D)²” read “(4d/3D)²”;

(iv) for clause (c), read—

“(c) NT shall not be taken as less than 0.30GT and in which :

$V_c = \text{total volume of cargo spaces in cubic metres.}$

$K_2 = 0.2 + 6.02 \log_{10} V_c$ (or as tabulated in Appendix II).

D = Moulded depth amidships in metres as defined in rule 2(15).

d = moulded draught amidships in metres as defined in sub-rule(2) of this rule.

$K_3 = 1.25 \frac{[GT + 10,000]}{10,000}$

$N_1 = \text{Number of passengers in cabins with not more than 8 berths.}$

$N_2 = \text{Number of other passengers,}$

$N_1 + N_2 = \text{total number of passengers the ship is permitted to carry as indicated in the ships' passenger certificate, when } N_1 + N_2 \text{ is less than } 13, N_1 \text{ and } N_2 \text{ shall be taken as zero.}$

GT = Gross tonnage of the ship as determined in accordance with the provisions of rule 3”;

(4) at page 16—

in rule 5, sub-rule (4), line 1, for “In accessible” read “inaccessible”;

(5) at page 18—

in APPENDIX-I, line 1, for “2(9)” read “2(i)”;

(6) at page 20—

(a) in APPENDIX-II,

- (i) line 3, for "or V_c ", need "V or V_c ";
- (ii) line 14, in second column of the table,
for "0.2580" read "0.2540";
- (iii) line 17, in fourth column of the table
for "0.3005" read "0.3035";
- (iv) line 30, in fourth column of the table,
for "0.3088" read "0.3089";

(7) at page 21—

in APPENDIX III, item 1(c), line 5, for ">60 =
120" read "60—120";—

(8) at page 24—

In APPENDIX IV,

(9) at page 25—

under the heading "SPACE" INCLUDED
TONNAGE"

- (a) for "ENCLOSED SPACES" read "EXCLUDED SPACES";
- (b) for "(Rule 2(h))" read "[(Rule 2(i))]

[F.No. S W./5-MRS(ii)/82MA]

RAM SANEHJI, Under Secy.